ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
डा० राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)-८४८ १२५

बुलेटिन संख्या-३५
दिनांक-शुक्रवार,३ मई,२०१९

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेद्यशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः ३८.३ एवं २४.६ डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता ७४ सुबह में एवं दोपहर में ५१ प्रतिशत, हवा की औसत गति ७.० कि०मी० प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण ६.६ मि०मी० तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन ९.८ घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा ५ से०मी० की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में ३१.० एवं दोपहर में ४१.३ डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में मौसम शुष्क रहा।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान

(४-८ मई,२०१९)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा०आर०पी०सी०ए०यू०, पूसा,समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी ४-८ मई, २०१९ तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः-

- बंगाल की खाड़ी में बने फैनी चक्रवात के आंशिक प्रभाव के कारण अगले १ से २ दिनों में उत्तर बिहार के जिलों में आसमान में गरज वाले बादल बनने के साथ वर्षा तथा इस दौरान तेज हवा या आँधी रहने का अनुमान है। तराई के जिलों में इसका असर ज्यादा रह सकता है। ६ मई से पुनः मौसम के आमतौर पर शुष्क रहने की संभावना है।
- अधिकतम तापमान ३४ से ३७ डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है। न्यूनतम तापमान २१ से २३ डिग्री सेल्सियस के आस-पास रह सकता है।
- इस अवधि में औसतन १०-१५ कि०मी० प्रति घंटा की रफ्तार से मुख्यतः पूरवा हवा चलने की संभावना है। ७-८ मई में कुछ स्थानों में पछिया हवा रहने का अनुमान है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में ८० से ९० प्रतिशत तथा दोपहर में ५० से ६० प्रतिशत रहने की संभावना है।

• समसामयिक सुझाव

- अगले १ से २ दिनों में गरज वाले बादल बनने के साथ-साथ वर्षा होने की संभावना को देखते हुए किसान भाईयों को कृषि कार्य में सावधानी बरतने की सलाह दी जाती है। कटी हुई गेहूँ की फसल को सुरक्षित स्थान पर भंडारीत कर लें। इस दौरान खड़ी फसलो में कीटनाशकों का छिड़काव एवं सिंचाई स्थगित रखें।
- हल्दी एवं अदरक की बुआई के लिए खेत की तैयारी करें। खेत की जुताई में प्रति हेक्टेयर २५ से ३० टन गोबर की सड़ी खाद डाले।
- खरीफ धान की नर्सरी के लिए खेत की तैयारी करें। स्वस्थ पौध के लिए नर्सरी में सड़ी हुई गोबर की खाद का व्यवहार करे।
- ओल की रोपाई करें। रोपाई के लिए *गजेन्द्र* किस्म अनुशंसित है। प्रत्येक ०.५ किलोग्राम के कन्द की रोपनी के लिए दूरी 75x75 से० मी० रखें। ०.५ किलोग्राम से कम वजन की कंद की रोपाई नहीं करे। वीज दर ८० क्विंटल प्रति हेक्टेयर की दर से रखें। बुआई से पूर्व प्रति गड्ढ़ा ३ किलोग्राम सड़ी हुई गोबर, २० ग्राम अमोनियम सल्फेट या १० ग्राम युरिया, ३७.५ ग्राम सिंगल सुपर फास्फेट एवं १६ ग्राम पोटेशियम सल्फेट का व्यवहार करे। ओल की कटे कन्द को ट्राइकोर्डमा भिरीडी दवा के ५.० ग्राम प्रति लीटर गोबर के घोल में मिलाकर २०-२५ मिनट तक डुबोकर रखने के बाद कन्द को निकालकर छाया में १०-१५ मिनट तक सुखने दें उसके बाद उपचारित कन्द को लगायें ताकि मिट्टी जनित बीमारी लगने की संभावना को रोका जा सके तथा अच्छी उपज प्राप्त हो सके।
- मूंग एवं उरद् का पीला मोजैक विषाणु द्वारा उत्पन्न होने वाला विनाशकारी रोग है जो सफेद मक्खी (एक रस चुसक कीट) के द्वारा प्रसारित होता है। इसके शुरूवाती लक्षण पत्तियों पर पीले धब्बे के रूप दिखाई देता है, बाद में पत्तियाँ तथा फलियाँ पूर्ण रूप से पीली हो जाती है। इन पत्तियों पर उत्तक क्षय भी देखा जाता है। फलन काफी प्रभावित होता है। उपचार हेतु रोग ग्रसित पौधों को शुरू में ही उखाड़ कर नष्ट कर दें तथा इमिडाक्लोरोप्रिड १७.८ एस० एल०/०. ३ मि०ली० प्रति लीटर पानी की दर से घोल बनाकर छिड़काव करें।
- लत्तर वाली सब्जियों जैसे नेनुआ, करैला, लौकी (कद्दू), और खीरा फसलों में फल मक्खी कीट की निगरानी करें। इन फसलों को क्षति पहुचाने वाला यह प्रमुख कीट है। यह घरेलू मक्खी की तरह दिखाई देने वाली भूरे रंग की होती है। मादा कीट मुलायम फलों की त्वचा के अन्दर अंडे देती है। अंडे से पिल्लू निकलकर अन्दर ही अन्दर फलों के भीतरी भाग को खाता है। जिसके कारण पूरा फल सड़ कर नष्ट हो जाता है। इस कीट का प्रकोप शुरू होते ही १ किलोग्रम छोआ, २ लीटर मैलाथियान ५० ई०सी० को १००० लीटर पानी मे घोल कर प्रति हेक्टेयर की दर से १५ दिनों के अन्तराल पर दो बार छिड़काव करें।
- भिंडी फसल में माइट कीट की निगरानी करते रहे। प्रकोप दिखाई देने पर ईथियॉन @ १.५ से २ मि०ली० प्रति ली० पानी की दर से छिड़काव करे।
- फलदार वृक्षों तथा वानिकी पौधों को लगाने के लिए अनुशंसित दूरी पर १ मी० व्यास के १ मीटर गहरे गडढ़े बना कर छोड़ दें।
- प्रती खेत की ग्रीष्मकालीन जुताई करें, ताकि खेत की मिटटी में उपस्थित कीट के अंडे, प्युपा, खरपतवार के बीज एवं रोग के जीवाणु नष्ट हो जायें।
- गर्मीयो में दूधारु पशुओं को दिन में छायादार सुरक्षित स्थानो पर रखे तथा अधिक मात्रा में स्वच्छ पानी पिलायें।

आज का अधिकतम तापमानः ३८.२ डिग्री सेल्सियस, सामान्य से १.७ डिग्री सेल्सियस अधिक	आज का न्यूनतम तापमानः २३.८ डिग्री सेल्सियस, सामान्य से १.१ डिग्री सेल्सियस अधिक

(डॉ० ए. सत्तार)
नोडल पदाधिकारी